समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

G20 लीडर्स समिट 2025: ट्रंप की दूरी, भारत के लिए वैश्विक नेतृत्व का बड़ा मौका

Publisher

Published on 20 Nov 2025

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 21 से 23 नवंबर के बीच आयोजित होने वाले G20 लीडर्स समिट 2025 में इस बार एक खास परिस्थिति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सम्मेलन का बहिष्कार किया है, जिससे वैश्विक मंच पर मौजूद ताकतों में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकता है। ट्रंप की अनुपस्थिति को भारत के लिए एक बड़ा अवसर माना जा रहा है, क्योंकि यह मौका भारत को वैश्विक नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय नीति में प्रभावी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल G20 लीडर्स समिट में शामिल होंगे, बल्कि इंडिया, ब्राजील और साउथ अफ्रीका (IBSA) के नेताओं की बैठक में भी भाग लेंगे। इस बैठक के माध्यम से भारत न केवल ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कूटनीतिक और आर्थिक क्षमताओं को भी प्रदर्शित कर सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार की स्थिति भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का अवसर देती है। ट्रंप के न होने से G20 में पश्चिमी देशों का दबदबा कम हो गया है और इस स्थिति में भारत अपनी नीतियों और वैश्विक मुद्दों पर सक्रिय आवाज उठा सकता है। यह अवसर विशेष रूप से उन मुद्दों पर केंद्रित होगा जो ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण हैं, जैसे आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन और व्यापार में संतुलन।

G20 लीडर्स समिट 2025 के दौरान भारत की भूमिका केवल प्रतिनिधि देश के तौर पर सीमित नहीं रहेगी। इसका उद्देश्य वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावी और संतुलित दृष्टिकोण पेश करना है। इससे भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर विश्वसनीय और मजबूत साझेदार के रूप में उभर सकता है। साथ ही, यह भारत को नए द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी की इस समिट में भागीदारी और IBSA बैठक में सक्रिय भूमिका से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि और कूटनीतिक स्थिरता को भी मजबूती मिलेगी। यह मौका भारत को वैश्विक नीति निर्माण में अपनी सक्रियता और नेतृत्व क्षमता साबित करने का अवसर देगा। विश्लेषकों के अनुसार, ट्रंप के बहिष्कार से भारत को न केवल वैश्विक मंच पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाने का अवसर मिला है, बल्कि यह विकासशील देशों के हितों को सुरक्षित करने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है।

इस तरह, G20 लीडर्स समिट 2025 न केवल वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बनेगा, बल्कि भारत के लिए वैश्विक नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय नीति में सक्रिय भागीदारी का एक सुनहरा अवसर भी साबित होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.